कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस दिनभर बैठक, सीएम ने दिखाए सख्त तेवर, बोले...

'गड़बड़ करने वाले को खत्म कर देंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में माफिया को लेकर सख्त तेवर दिखाए। उन्होंने कहा, हमें माफियाओं को किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं है। जो समाज के दुश्मन हैं, जो सरकारी जमीनों पर कब्जा करते हैं, जो अपराधी हैं, उन पर सख्त कार्रवाई करना है। कोई सूदखोर ऊंची दर पर ब्याज वसूलता है तो उस पर भी कार्रवाई की जाए। संगठित अपराध पर एक्शन हो। सरकारी जमीन पर बड़े कब्जों के खिलाफ एफआइआर की जाए। भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस ही हमारी नीति है। गड़बड़ करने वाले को खत्म करें और प्रदेश को जनकल्याण और सुराज में मॉडल बनाएं।

कॉन्फ्रेंस में जिलों से अफसर वर्चुअल जुड़े। सीएम ने उनसे साफ कहा कि कोई लापरवाही या गड़बड़ी करता है तो उस पर एक्शन होगा। शिवराज ने अपराधियों पर कार्रवाई में लापरवाही पर सागर कलेक्टर और दमोह एसपी को फटकार लगाई। एनएसए में कार्रवाई न करने पर दोनों अफसरों पर सीएम नाराज हुए। बोले, कुछ जगह जनदर्शन में मैंने खामियां देखी हैं। अब आगे औचक निरीक्षण करूंगा। पीएम आवास में मुझे पता चला कि अफसरों ने लोगों से पैसे ले लिए। मैं ऐसे लोगों को छोड़ूंगा नहीं। अभी निलंबित कर जांच बैठा दी है। सीएम ने कलेक्टरों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने को कहा।

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों को नसीहत देते सीएम शिवराज सिंह चौहान।

शिवराज की कब्जाधारियों पर सख्ती

सुशासन: सीएम हेल्पलाइन की हर माह मॉनिटरिंग होगी। मंगलवार से जनसुनवाई शुरू होगी। कोविड ने इन्हें रोक दिया था, लेकिन हम फिर शुरू कर रहे हैं। 11 से 12 बजे सभी कलेक्टर-कमिश्नर मंगलवार को जनता से मिलेंगे।

कब्जा: कब्जों से जमीन मुक्त करके भूल मत जाना। शहरी आबादी वाली कब्जे से मुक्त जमीन पर पीएम आवास गरीबों के लिए बनाए जाएं। जो जमीन दूर है, वहां सरकारी कार्यालय-स्कूल बन सकते हैं।

खनन: रेत खनन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। आप वाहन राजसात करके नीलाम कर दो, ये जरूर करना होगा। सिर्फ जुर्माना लगाने से काम नहीं चलेगा।

सूदखोरी: सूदखोरी बड़ा विषय है। अनूपपुर में रैकेट तोड़ा है। हम गरीब का शोषण नहीं होने देंगे। गरीब के पेपर साहूकार रख लेगा तो योजनाओं का लाभ भी गरीब को नहीं मिलेगा। ये बिलकुल सहन नहीं होगा।

डेंगू: डेंगू का कोई वैरिएंट है। इस पर केन्द्र सरकार ने एडवाइजरी दी है। इसमें रोकथाम पर सख्ती करें। लार्वा खत्म करने और दवाइयों के इंतजाम की व्यवस्था हो।

अंकुर अभियान: शिवराज ने अंकुर अभियान में पौधरोपण की समीक्षा की। अभी तक 2.82 लाख लोगों ने 3.90 लाख पौधे लगाए हैं। पत्रिका

मनरेगा: मनरेगा में गड़बड़ी की शिकायतें बहुत हैं। गरीब का पैसा कहीं नहीं जाना चाहिए। ऐसे लोगों पर गिद्धदृष्टि रखें। कलेक्टर-जिला पंचायत सीईओ ध्यान रखें। मैं अब घूम रहा हूं। गड़बड़ करने वालों को छोड़ो मत। हर जिले की रिपोर्ट चाहिए।

27 को फिर टीका अभियान

शिवराज ने कहा, अ... सभी जिले 27 सितं... को वैक्सीनेशन महाभियान ... तैयारी करें। 23 सितंबर ... इसके लिए तैयारी की समी... करेंगे। 27 को हम कोरो... वैक्सीन का पहला डोज ... फीसदी पूरा करेंगे। दिसंबर ... सेकंड डोज पूरा करेंगे। इस... लेकर सतर्क हो जाएं।

ये अहम निर्देश

- 7 अक्टूबर से जनकल्याण... व सुराज अभियान चलाएंगे।
- अटल प्रोग्रेस-वे को अब... अटल प्रगतिपथ कहा जाएगा।
- आगामी त्योहारों और... उपचुनावों में सुरक्षा रहे।

अब वॉट्सऐप पुलिसिंग नहीं

अवैध शराब और नशी... पदार्थों पर नियंत्रण ... लिए ग्राम स्तर तक इंटेलिजे... नेटवर्क को सशक्त करें। पुलि... के अधिकारी क्षेत्र के दौरे अ... थानों के निरीक्षण सुनिश्चित क... 'वॉट्सऐप पुलिसिंग नहीं चलेग... दुष्टों के लिए वज्र सा कठोर अ... भले व्यक्ति के लिए फूल ... कोमल व्यवहार जरूरी है।

पत्रिका 21/9/21

100 प्रतिशत टीकाकरण करने के लिए जिले में चल रहा गड़बड़झाला

मृतकों को वैक्सीन, सर्टिफिकेट भी जारी

5 माह पूर्व जिनकी मौत हो गई, उन्हें जारी हो गया सेकंड डोज का सर्टिफिकेट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में चल रहे कोविड वैक्सीनेशन में रतलाम को 100 प्रतिशत वैक्सीनेटेड करने के लिए मृतको के नाम पर भी टीकाकरण किया जाने लगा है। जी हां, ऐसा ही एक मामला सोमवार को सामने आया जब एक वृद्धा जो कि 5 माह पूर्व कोरोना संक्रमण के दौरान जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते भगवान के पास चली गई, उसके परिजनों के साथ स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन अब भी खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहा है।

5 माह पहले हुई मौत

रतलाम के पी एंड टी कॉलोनी निवासी प्रकाश दीक्षित की 16 अप्रैल को कोरोना संक्रमण के दौर में उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद अब जाकर 20 सितंबर को उनके परिजनों के पास मोबाइल पर उन्हें कोविड वैक्सीनेशन का दूसरा डोज अलकापुरी स्थित कम्युनिटी हॉल पर लगने का मैसेज पहुंचा। यह मैसेज जब परिजनों ने पढ़ा तो उनके होश उड़ गए। परिजनों की माने तो जिन जिम्मेदारों की लापरवाही से उनकी माता की मौत हुई है, उन्हें यह लोग मौत के बाद भी चैन से नहीं रहने दे रहे हैं।

रतलाम में कोविड वैक्सीनेशन को लेकर 3.0 महा अभियान चल रहा है। उसके तहत पहला डोज जिन लोगों को लग चुका है उन्हें दूसरा डोज लगवाए जाने को लेकर लगातार मैसेज पहुंच रहे हैं। कोरोना काल में जिस तरह से रतलाम का नाम खराब हुआ था, उसे धोने के चक्कर में जिले को वैक्सीनेशन में अव्वल बनाने के लिए अब जिम्मेदार मृतकों का सहारा लेने लगे हैं। यदि ऐसा ही टीकाकरण का हाल चलता रहा तो प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग रतलाम को जरूर पहले पायदान पर ले आएंगे। पत्रिका

पत्रिका 21/9/21

मौत के पांच माह बाद मिला दूसरा डोज लगने का मैसेज

स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कोविड टीकाकरण में गंभीर लापरवाही

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना टीकाकरण अभियान में मृतकों के नाम से वैक्सीन लगवाने व मैसेज जारी होने की गड़बड़ी थमी नहीं है। सोमवार को शहर की पीएंडटी कालोनी निवासी स्व. प्रकाश दीक्षित के मोबाइल नंबर पर कोविशील्ड का दूसरा डोज लगने का मैसेज आया। उन्होंने पहला डोज 4 मार्च को लगवाया था, उसके बाद कोरोना के इलाज के दौरान उनकी मृत्यु 16 अप्रैल को हो गई थी। मौत के पांच माह बाद आए वैक्सीनेशन के मैसेज को लेकर परिवार वाले भी चकित रह गए। इतना ही नहीं वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट भी जारी हो गया।

स्व. दीक्षित के दामाद हिमांशु जोशी ने बताया कि इस तरह की गड़बड़ी से लोगों का वैक्सीनेशन अभियान से भरोसा उठ जाएगा। कोरोना में इलाज के लिए भी मशक्कत करना पड़ी थी। मालूम हो कि इससे पहले भी जिले में इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे का कहना है कि ऐसा होना चाहिए। हो सकता है किसी तकनीकी त्रुटि के कारण मैसेज चला गया होगा। जांच कराकर देखा जाएगा कि दोबारा ऐसा नहीं हो।

नईदुनिया

नईदुनिया 21/9/21

जिले में छह स्वीकृत आक्सीजन प्लांट में चार चालू, जावरा में दूसरे प्लांट का निर्माण कार्य जारी

जिला अस्पताल में अभी 18 बेड पर ही आक्सीजन सप्लाई

जिला अस्पताल मे स्थापित आक्सीजन प्लांट। ●नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में शासकीय मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल, रेलवे अस्पताल और सिविल अस्पताल जावरा में एक-एक आक्सीजन प्लांट लग गए और चालू भी हो गए हैं। सिविल अस्पताल जावरा में दूसरे प्लांट पर निर्माण चल रहा है। जिला अस्पताल के बाल चिकित्सालय में भी प्लांट लगाने की स्वीकृति मिल गई है। अब तक छह आक्सीजन प्लांट की स्वीकृति मिली है, उनमें चार क्रियाशील हैं। एक पर काम चल रहा है और एक का निर्माण चालू करने की तैयारी है।

आक्सीजन प्लांट से सप्लाय अभी बीस प्रतिशत बेड तक ही हो पा रही है, क्योंकि सप्लाई वहीं तक होगी जहां तक पाइप लाइन लगी है। जिला अस्पताल के कोविड आइसीयू वार्ड के 18 बेड तक प्लांट से सीधे सप्लाई हो रही है। साथ ही 37 बेड में सप्लाई चालू करने की तैयारी चल रही है। कुल 55 बेड में सीधे सप्लाई हो सकेगी। इसके बाद अन्य वार्डों में पहले कि तरह सिलिंडर से मरीजों को आक्सीजन दी जाएगी। यहीं हाल अन्य अस्पतालों का भी है। यदि एक साथ दो सौ मरीजों को आक्सीजन देने की स्थिति बनी तो सिलिंडर ही काम आएंगे। इसलिए प्लांट लगने के बाद भी पुरानी व्यवस्था पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

अस्पतालों में आक्सीजन प्लांट और क्षमता

संस्था	आक्सीजन प्लांट की क्षमता	वर्तमान स्थिति
मेडिकल कालेज रतलाम	985 एलपीएम	क्रियाशील
जिला अस्पताल रतलाम	500 एलपीएम	क्रियाशील
सिविल हास्पिटल जावरा	380 एलपीएम	क्रियाशील
रेलवे अस्पताल रतलाम	380 एलपीएम	क्रियाशील
सिविल हास्पिटल जावरा	500 एलपीएम	निर्माणाधीन
जिला अस्पताल रतलाम	500 एलपीएम	स्वीकृति

कोरोना से 311 मौत, आक्सीजन कमी से एक भी नहीं

जिले में कोरोना काल में अब तक आक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई है, जबकि कोरोना के 17505 मामले सामने आए हैं, जिनमें 311 की मौत भी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जिले में आक्सीजन की कमी से एक भी मौत नहीं हुई है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि बाल चिकित्सालय में भी एक आक्सीजन प्लांट लगाने की स्वीकृति मिल गई है। इसके अलावा हमारा प्रयास है कि जिले के हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक आक्सीजन का प्लांट लग जाए, ताकि भविष्य में कभी विकट परिस्थितियों में आक्सीजन की कमी से मरीज परेशान न हो। नईदुनिया

नईदुनिया 21/3/21

ईश्वरनगर सहित अन्य इलाकों में जिनके मकान गिरे, दूसरे दिन खाने के पैकेट तक नहीं मिले

साहब खाने को दो, खानापूर्ति मत करो!

फॉलोअप

पत्रिका
प्रकाशित खबर।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर में रविवार को भारी बारिश से मची तबाही का मंजर सोमवार को बारिश का पानी उतरने के बाद भी हर तरफ नजर आ रहा था। बारिश के चलते जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए या बह गए उन लोगों को दूसरे दिन खाने के पैकेट तक प्रशासन उपलब्ध नहीं करा सका। प्रशासन ने दावा किया है कि वह सोमवार को सुबह पूरा करा कर मंगलवार को पीड़ित परिवारों के बैंक खातों में मुआवजे की राशि देगा लेकिन प्रशासन अपनी इस खानापूर्ति के दौर में जरूरतमंदों को सोमवार को दोपहर तक खाना भी उपलब्ध नहीं करा पाया।

बारिश के चलते सबसे ज्यादा नुकसान शहर के ईश्वर नगर सहित आसपास के कुछ अन्य इलाकों में हुआ है। यहां बारिश के पानी के तेज बहाव में लोगों के मकान के साथ ही उनके घर का सामान भी बह गया तो कुछ मलबे में दब गया है। रविवार की रात जैसे तैसे लोगों ने गुजारी और सोमवार की सुबह होते ही फिर से मलबे में अपने खोया हुआ सामान तलाशने के प्रयास में जुट गए। दरअसल जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके पास तो खाने का सामान तक नहीं बचा है, जो बचा है वह खाने या पकाने लायक भी नहीं है। इतना ही नहीं कुछ लोगों की घर में रखी नकदी पूरी तरह से भीग गई। इन सबके बीच इन लोगों को खाने का पूछने वाला भी दोपहर तक इनके पास कोई नहीं पहुंचा।

सर्वे के लिए पहुंची टीमें

प्रशासन द्वारा भारी वर्षा से मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना के बाद सोमवार को सर्वे कार्य की शुरुआत कराई गई। इसके लिए पांच टीमें गठित कर उक्त टीमों को पीड़ित परिवार तक पहुंचाया गया और सर्वे कराया गया कि किस परिवार या व्यक्ति के यहां कितना नुकसान हुआ है। प्रशासन को पहले दिन 20 से 22 घरों के क्षतिग्रस्त होने और नुकसानी की जानकारी मिली थी। ऐसे में प्रशासन ने दावा किया था कि वह सोमवार को ही सर्वे कार्य पूरा कराकर मंगलवार को पीड़ित परिवारों के बैंक खातों में मुआवजा राशि भेज देगा।

शहर के कई हिस्से हुए थे जलमग्न

रविवार की बारिश के चलते कई हिस्से ऐसे थे, जहां पहली बार पानी घरों में भरा गया। शहर के ईश्वर नगर, मोमिनपुरा, शेरानीपुरा, चौमुखीपुल, न्यू रोड, दो बत्ती, पावर हाउस रोड, राम मंदिर, सैलाना रोड, नौलाईपुरा, खेरादीवास, जवाहर नगर सहित कई इलाके ऐसे थे, जहां बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। बारिश का पानी तो सब जगह से उतर गया लेकिन तबाही के निशा अब भी बाकी रह गए है।

सर्वे : 195 घरों में बारिश से हुआ नुकसान, 4 घरों में सर्वाधिक

9 में आंशिक नुकसान हुआ शेष मकानों में पानी भराया

शहर में रविवार को हुई अतिवृष्टि के बाद सोमवार को प्रशासनिक अमला सर्वे कार्य के लिए मैदान में उतरा। सुबह से शाम तक प्रशासन की 5 टीमों के द्वारा सर्वाधिक नुकसानी वाले क्षेत्रों का सर्वे किया गया। इस दौरान कुल 195 मकानों में पानी भराए जाने से कहीं अधिक तो कहीं मामूली सा नुकसान होने की बात सामने आई है। अब देखना यह है कि प्रशासन कितने लोगों के बैंक खातों में मुआवजा राशि डालता है।

प्रशासन की माने तो चार मकानों में सर्वाधिक नुकसान पहुंचा है जबकि 9 मकानों में आंशिक रूप से नुकसान हुआ है। इसके अतिरिक्त शेष 182 जो मकान है, उनमें से किसी में पानी भराया तो किसी में थोड़ा बहुत सामान गिरा हुआ है। इन मकानों को प्रशासन कितनी नुकसानी के मामले में लेता है और इन लोगों को भी मुआवजा वितरित करता है या नहीं इस बात का पता मंगलवार को ही चल सकेगा।

क्या है नुकसानी का पैमाना- जिन क्षेत्रों में सर्वे के लिए टीमें गई थी, उन क्षेत्र के लोगों के द्वारा प्रशासनिक अमले से यह भी पूछा गया कि आखिर उन्हें मुआवजा मिलेगा तो कितना लेकिन इसका जवाब कोई भी ठीक से नहीं दे सका। दरअसल लोग यह भी जानना चाह रहे थे कि मुआवजे को लेकर प्रशासन ने पैमाना क्या तय किया है। यदि वह नुकसान होने की श्रेणी में आते हैं तो उन्हें कितना मुआवजा मिलेगा।

पत्रिका

पत्रिका 21/9/21

तालाब की पाल पर खतरा • 160 बीघा में फैला हनुमान ताल, शहर का है प्रमुख पर्यटन स्थल

भारी बारिश से हनुमान ताल की दीवार के पास की मिट्टी बही, पाल पर आई दरार

भास्कर संवाददाता | रतलाम

एक दिन पहले हुई जोरदार बारिश का असर शहर के हनुमान ताल पर भी हुआ है। बारिश से इस ताल की बरबड़ साइड बनी दीवार की पास की मिट्टी बह गई है। इसका असर तालाब की पाल पर हुआ और इसमें भी दरार आना शुरू हो गई है। यदि जल्द ही ताल की मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया गया तो दीवार को नुकसान हो सकता है। आसपास की कॉलोनियों में पानी भरा सकता है।

अच्छी बारिश से हनुमान ताल लबालब हो गया था व वेस्ट वियर से पानी बहने लगा था लेकिन रविवार को जोरदार बारिश से तालाब ओवरफ्लो हो गया। बाल हनुमान मंदिर के आसपास व बगीचे भी पानी में डूब गए। बारिश से बरबड़ साइड की तरफ भी तालाब ओवरफ्लो हो गया था। इसका असर तालाब की दीवार पर भी हुआ है और तेज बारिश के कारण दीवार के आसपास की पिचिंग भी बह गई है।

भारी बारिश के चलते तालाब की दीवार का कटाव हुआ

भारी बारिश से तालाब की दीवार के पास कटाव हो गया है। इससे दीवार गिरने का खतरा बना हुआ है।

दीवार के पास की मिट्टी खिसकने से पाल पर दरार भी आना शुरू हो गई है। फोटो राकेश पोरवाल

160 बीघा में फैला है हनुमान ताल, 50 कॉलोनियों का भू-जल स्तर मेंटेन होता

हनुमान ताल 160 बीघा में फैला है और शहर का प्रमुख रमणीक स्थल है। तालाब के पानी से आस की 50 से ज्यादा कॉलोनियों के नलकूप का जल मेंटेन रहता है। तालाब पर दिनभर में सैकड़ों लोग तालाब में घूमने आते हैं और यह पटरी पार का प्र रमणीक स्थल है।

मरम्मत नहीं हुई तो हो सकता है नुकस

सामाजिक कार्यकर्ता विजय सोनी ने बताया हनुमान शहर की शान है। लेकिन बरबड़ साइड की दीवार के आसपास की गई पिचिंग ही भारी बारिश से बह गई ऐसे में भराव की जरूरत है। यदि जल्द भराव नहीं और बारिश होती है तो नुकसान हो सकता है। इससे पर ध्यान देना चाहिए। वहीं दीवार पर भी कुछ क्रेक आ रहे हैं। इसकी भी मरम्मत करना चाहिए।

मरम्मत के लिए टेंडर निकाले जा रहे हैं

नगर निगम के सिटी इंजीनियर जीके जायसवाल ने बताया तालाब की मरम्मत कराना है। इसमें वेस्टवे के साथ ही जहां भी मरम्मत की जरूरत है वहां की मरम्मत कराई जाएगी।.इसके लिए टेंडर निकाले ज हैं ताकि तालाब की मरम्मत हो सके।

दै. भास्कर 21/9/21

र्वे टीम को 13 मकान क्षतिग्रस्त मिले, बारिश का एक दौर और आएगा

लाब लबालब, अब तक 931.7 मिमी बारिश

सितंबर में जोरदार बारिश से झाली तालाब लबालब हो गया है। अब तक 931.7 मिमी बारिश हो चुकी है। जिले की सालभर की सामान्य बारिश का कोटा 918.3 मिमी का है। आलोट, पिपलौदा, बाजना सामान्य बारिश से पीछे हैं। यहां पिछले साल से कम बारिश दर्ज की गई है, पिछले साल अब तक 1017 मिमी बारिश हो गई थी। फोटो-चिंटू मेहता

अब तक कहां कितनी बारिश

3	बाजना 28.26
.22	रावटी 35.31
50	सैलाना 40.66
	जिला 36.68

.22
के सभी ब्लॉक और कुल सामान्य
5 इंच है।)

ढाई घंटे की बारिश से 40 मिनट से ज्यादा समय तक बिरमावल को जोड़ने वाले तीनों मार्ग रहे बंद

बिरमावल | सोमवार दोपहर 2.30 से 5 बजे के बीच क्षेत्र में जोरदार बारिश हुई। तेज बारिश के बाद पानी का जो बहाव आया उसे बिरमावल को जोड़ने वाले तीनों मार्ग पर पानी आने के कारण लगभग 40 मिनट तक आवागमन बंद रहा। क्षेत्र के सातरुंडा-मुंदड़ी मार्ग (बिरमावल रपट), उमरन की पुलिया, जाबड़ा-बिरमावल मार्ग और भीमपुरा-बिरमावल मार्ग पर पानी ज्यादा होने के कारण यह मार्ग बंद रहे। साथ ही उमरन की पुलिया पर पानी आने के कारण आवागमन बाधित रहा। बिरमावल रपट पर तेज बहाव पानी बहते समय एक युवक ने बाइक लेकर निकलने का प्रयास किया लेकिन वह बहाव के साथ बहने लगा तभी वहां मौजूद ग्रामीणों ने उसे बचा लिया।

दै. भास्कर 21/9/21

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में सीएम की हिदायत : शिवराज बोले

जिन अफसरों ने पीएम आवास योजना में पैसे लिए उन्हें छोड़ूंगा नहीं, हाथ जोड़कर जनता के काम करो, दमोह-नीमच एसपी को भी फटकारा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को प्रदेश के मैदानी अफसरों को सख्त हिदायत दी है। शिवराज ने सोमवार को कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कहा- जिन अफसरों ने पीएम आवास योजना में पैसे लिए हैं, उन्हें छोड़ूंगा नहीं। हाल ही में रैगांव में जनदर्शन यात्रा के दौरान मुझे शिकायत मिली थी। मैंने जिम्मेदार अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। अब उन पर जांच भी बैठा दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं औचक निरीक्षण करूंगा। अफसर ध्यान रखें और जनता के काम हाथ जोड़कर करें। आप नोट कर लीजिए- जरूरतमंद लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए। सुराज का मतलब है- बिना लिए दिए जरूरतमंदों को लाभ मिल जाए। इसे सभी दिमाग में बैठा लें। उन्होंने कहा कि अब जनभागीदारी से सरकार चलेगी। खराब पेरफॉर्मेंस वाली पुलिस अधीक्षकों पर भी बरसे। मुख्यमंत्री ने वैक्सीनेशन अभियान को लेकर अफसरों की तारीफ भी की।

उन्होंने कहा कि 1 से 15 नवंबर को रेवेन्यू को लेकर राजस्व अभिलेखों का शुद्धिकरण का कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार अब सीएम हेल्पलाइन की भी अब हर महीने मॉनिटरिंग करेगी। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से कहा कि 21 सितंबर से हर हाल में जनसुनवाई शुरू कर दी जाए। इसके साथ ही कलेक्टर-कमिश्नर व अन्य अफसर भी आम लोगों से सीधे संवाद करें और उनकी समस्याओं का निराकरण करें।

सीएम कॉन्फ्रेंस में खराब परफॉर्मेंस वाली पुलिस अधीक्षकों पर भी बरसे। गुंडे-अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करने पर फटकार लगाई। दमोह एसपी डीआर तेनिवार से कहा, आप सिस्टम सुधारें, ऐसे नहीं चलेगा। दमोह की रैंकिंग प्रदेश में सबसे पीछे 52 वें नंबर पर। नीमच एसपी सूरज कुमार वर्मा से कहा- तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई धीमे क्यों है? क्या कर रहे हैं जिले में? फिलहाल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान वर्चुअली कलेक्टर-कमिश्नर, डूल और सबके साथ कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। करीब 5 महीने बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यह कॉन्फ्रेंस हो रही है। माफिया के खिलाफ एक्शन और कानून व्यवस्था पर चर्चा होगी। वहीं, मुख्यमंत्री ने सोमवार को ही देर शाम कैबिनेट की बैठक भी बुलाई है। इसमें जनकल्याण और सुराज अभियान में सक्रिय भागीदारी के निर्देश मंत्री को दिए जाएंगे। बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी।

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को माफिया के खिलाफ इंदौर मॉडल का अनुसरण करते हुए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इस पर कितना अमल हुआ, इस पर हर जिले की जानकारी ली जाएगी। कॉन्फ्रेंस के दौरान कलेक्टर अपने जिले में किए गए ऐसे काम का प्रजेंटेशन करेंगे। इरूने निर्देश दिए थे कि हर जिले में एक स्थान का चयन किया जाए, जहां अफसर-जनप्रतिनिधि जन्मदिन पर पौधरोपण करें। इसकी जानकारी भी कलेक्टरों से ली जाएगी। बैठक में अन्न योजना, खाद-बीज की स्थिति, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अन्य योजनाओं की जिलेवार समीक्षा होगी। इस दौरान कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर जिलों में उठाए गए कदमों के साथ ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं पर अधिकारियों से जानकारी ली जाएगी। प्रसारण

प्रसारण २१/९/२१

घूस लेने वाले अफसरों को छोड़ूंगा नहीं

शिवराज की चेतावनी ● प्रधानमंत्री आवास योजना में अधिकारियों की आई हैं शिकायतें

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। छह महीने बाद सोमवार को मंत्रालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई कमिश्नर-कलेक्टर, आइजी-एसपी कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सख्त रुख दिखाया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मुझे पता लगा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में अधिकारियों ने लोगों से पैसे ले लिए। मैं ऐसे लोगों को नहीं छोड़ूंगा। घटिया और गुणवत्ताहीन काम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं होंगे। मैं औचक निरीक्षण करूंगा। गड़बड़ी मिली तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भ्रष्टाचार के मामले में हमारी नीति जीरो टालरेंस की है।

मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर काफी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वाट्सएप पुलिसिंग नहीं चलेगी। अधिकारी अपने क्षेत्र और थाना स्तर पर निरीक्षण करें। सामुदायिक पुलिसिंग की अवधारणा अनिवार्य रूप से लागू हो। उन्होंने नीमच के एसपी सूरज वर्मा से सवाल किया कि तस्करों के खिलाफ कार्रवाई धीमी क्यों है? आप जिले में क्या कर रहे हैं? दमोह जिले के रैंकिंग में सबसे पीछे 52वें स्थान पर आने पर उन्होंने एसपी डी. तेनीवार को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सिस्टम सुधारें। ऐसा नहीं चलेगा। उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून सहित अन्य मामलों में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पीछे रहने पर चेतावनी दी गई। सागर के एसपी को भी अपराध नियंत्रण में गति लाने के निर्देश दिए।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री चौहान व अधिकारी। ● सौजन्य : जनसंपर्क विभाग

बढ़ते अपराध पर सीएम खफा

- कमिश्नर-कलेक्टर, आइजी-एसपी कांफ्रेंस में दिखाया सख्त रुख
- नीमच एसपी से सवाल, तस्करों के खिलाफ कार्रवाई धीमी क्यों

कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों पर नाराज

मुख्यमंत्री ने छह घंटे से ज्यादा समय तक चली कांफ्रेंस में कहा कि अपराधी कोई भी हो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। माफिया के खिलाफ अभियान लगातार चलते रहना चाहिए। उन्होंने खराब प्रदर्शन वाले जिलों के पुलिस अधीक्षकों के प्रति नाराजगी जताते हुए उन्हें कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। भोपाल में गांजे की बिक्री को लेकर उन्होंने उप पुलिस महानिरीक्षक इरशाद वली से कहा कि कार्रवाई करें।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के प्रति संवेदनशील रहें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी त्योहारों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखें। कोरोना की रोकथाम के लिए निर्देशों का पालन किया जाए। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को रोकने के लिए अभी और संवेदनशील होने की जरूरत है। छेड़छाड़ के मामलों में सख्त कार्रवाई हो। यह भी बताया गया कि जनवरी 2018 से अगस्त 2021 तक महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में कुल 38 आरोपितों को मृत्युदंड दिलवाया गया है।

76,000

बालिकाओं को छात्रवृत्ति देंगे मुख्यमंत्री, पंधाना में कार्यक्रम

खंडवा/भोपाल। जनकल्याण और सुराज अभियान के तहत मंगलवार को खंडवा के पंधाना में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लाड़ली लक्ष्मी योजना में 75 हजार 961 बालिकाओं को 21 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति देंगे। इसी दौरान प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना के तहत 25 हजार गर्भवती एवं धात्री माताओं को पांच करोड़ रुपये की मातृत्व सहायता राशि वितरित की जाएगी। पंधाना में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 32 जिलों के 103 आंगनबाड़ी केंद्रों के नवनिर्मित भवनों और 52 जिलों की 10 हजार पोषण वाटिका का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हितग्राहियों से सीधा संवाद भी करेंगे।

जनदर्शन में पांच गांवों की यात्रा करेंगे सीएम : मुख्यमंत्री मंगलवार को खंडवा जिले के पांच गांवों पंधाना, डुल्हार, रुस्तमपुर, कुमटी व बोरगांव कुजुर्ग की यात्रा भी करेंगे, जहां जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शुरुआत पंधाना से होगी। यहां कार्यक्रम दोपहर 2.15 बजे शुरू होगा। इस दौरान जिले की प्रभारी व पर्यटन, संस्कृति व अध्यात्म विभाग मंत्री उषा ठाकुर भी मौजूद रहेंगी।

नईदुनिया 21/9/21

मूसलधार बारिश के बाद प्रभावितों का सर्वे शुरू

कई मकान हुए क्षतिग्रस्त, आज राहत राशि खातों में जमा होगी, नदी में डूबने से 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत

भारी बारिश के बाद भी आंकड़ा गत वर्ष से पीछे

रतलाम ● स्वदेश समाचार

रतलाम में रविवार को हुई मूसलधार बारिश से अनेक मकान तथा झोपड़ियां धराशायी हो गए तथा कई मकानों में पानी घुस गया था। बाजना थाना अंतर्गत ग्राम मकनपुरा स्थित नदी में डूबने से 48 वर्षीय प्रभुलाल पिता भोरिया मईड़ा निवासी ग्राम इमलीपाड़ा की मौत हो गई।

प्रशासन ने शहर में प्रभावित मकानों की क्षतिपूर्ति के लिए आज पांच दलों द्वारा सर्वे प्रारंभ कर दिया है। प्रारंभिक आंकलन में 22 मकान क्षतिग्रस्त हुए है। सही संख्या प्राप्त होने पर संबंधित व्यक्तियों के बैंक खातों में 24 घंटे में (मंगलवार)को राहत राशि जमा कर दी जाएगी। गौरतलब है कि रविवार को करीब पांच घंटे में 7 से 8 इंच बारिश हुई थी, जिसके कारण कई बस्तियों तथा घरों में पानी घुस गया था। शहरी इलाकों में स्थिति यह हो गई थी कि शायद ही कोई सड़क बची हो जहां पर जलभराव की स्थिति न हो। यही हालात जिले के अनेक गांवों में देखने को मिली। रेल तथा सड़क मार्ग भी इसी कारण अवरूद्ध हो गया था।

बारिश का दौर लगातार जारी

रतलाम सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गत तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। सोमवार को भी काले बादलों का डेरा आसमान में होने से अंधेरा छाया रहा और दिनभर पानी गिरता रहा। लगातार पानी का मौसम बने रहने से किसानों में चिंता व्याप्त है। वही व्यापार व्यवसाय पर भी इसका असर पड़ रहा है। मौसम विभाग ने फिर जो अलर्ट जारी किया है उसमें रतलाम भी शामिल है, इससे लगता है कि अभी एक सप्ताह और रतलाम में जोरदार बारिश संभावित है।

जिले में बारिश

प्रातः 8 बजे तक समाप्त 24 घंटों में जिले में सर्वाधिक बारिश रतलाम शहर में 161 मि.मी., सैलाना केंद्र में 74 मि.मी. में हुई। जिले के आठ विकासखंडों में सबसे अधिक बारिश आलोट, जावरा,ताल में हुई, जबकि पिपलौदा, बाजना,रतलाम, रावटी, सैलाना में गत वर्ष की अपेक्षा अभी कम बारिश हुई है। गत वर्ष सबसे अधिक बारिश सैलाना में 1227 , बाजना में 1266 ,रावटी में 1054 ,जावरा में 1020 , रतलाम 989 , ताल 918 , पिपलौदा 900 , आलोट 762 मि.मी. हुई थी। जबकि इस वर्ष सबसे ज्यादा बारिश जावरा 1105, रतलाम 1074, सैलाना 1033, ताल 990, रावटी 897,आलोट 844, पिपलौदा 793, , बाजना 718 मि.मी. हुई है। कुल औसत वर्षा 931.7 मि.मी. दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 1017 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई थी। अभी भी जिले में 85.3 मि.मी. वर्षा गत वर्ष की तुलना में कम हुई है।

स्वदेश

स्वदेश 21/9/21

शहर का ड्रेनेज सिस्टम शीघ्र सुधारा जाए : गादिया

रतलाम। शहर मे रोड़ के काम चल रहे, लेकिन सिर्फ रोड़ के साथ ड्रेनेज सिस्टम पर ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि 6 इंच बारिश मे जिस तरह पानी जमा हुआ, वह स्थिति भी भयावह हुई। इतना पूर्व इससे भी अधिक पानी गिरने पर भी नही हुई। आज न रोडो के ढाल है न निकास, नाले के आसपास के जो खुले निकास थे, वह भी बंद है। यह विकास की मूलभूत सुविधा भी है आवश्यकता भी शहर की नालियो को सफाई की आवश्यकतानुसार खोलकर सफाई करना आवश्यक है, आज सीवरेज सिस्टम के कारण पूरा शहर खुदा पड़ा है। नागरिको का चलना दूभर है। उक्त मांग समाज सेवी रेडक्रॉस के पूर्व चेयरमैन ने करते हुए कहा कि पूर्व मे चार पांच वर्षों पहले रतलाम विकास मंच के माध्यम से भी रोड के साथ ड्रेनेज व्यवस्था की बात रखी गई थी अत: प्रशाशन इसे शीघ्र व्यवस्तिथ करा कर सुविधा प्रदान करे ताकि जनता के जानमाल व आर्थिक नुकसान नही हो।

प्रसारण २१/९/२१

शहर का ड्रेनेज सिस्टम शीघ्र सुधारा जाए -गादिया

स्वदेश

रतलाम ● शहर में सड़क निर्माण कार्य चल रहे है ,लेकिन सिर्फ सड़क के साथ ड्रेनेज सिस्टम पर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि 6 इंच बारिश में जिस तरह पानी जमा हुआ वह स्थिति भयावह है। इतना पूर्व इससे भी अधिक पानी गिरने पर भी नहीं हुई । आज न सड़कों के ढाल है न निकासी । नाले के आसपास के जो खुले निकास थे वह भी बंद है ,यह विकास की मूलभूत सुविधा भी है और आवश्यकता भी । शहर की नालियों को सफाई की आवश्यकतानुसार खोलकर सफाई करना आवश्यक है, आज सीवरेज सिस्टम के कारण पूरा शहर खुदा पड़ा है ,नागरिकों का चलना दूभर है । उक्त मांग समाज सेवी रेडक्रॉस के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र गादिया ने करते हुए कहा कि पूर्व में चार पांच वर्षों पहले रतलाम विकास मंच के माध्यम से भी सड़क के साथ ड्रेनेज व्यवस्था की बात रखी गई थी । अत: प्रशासन इसे शीघ्र व्यवस्थित कराकर सुविधा प्रदान करे ताकि जनता के जानमाल व आर्थिक नुकसान न हो।

स्वदेश २१/९/२१

पहले इससे ज्यादा बारिश में भी ऐसी स्थिति नहीं हुई, शहर का ड्रेनेज सिस्टम शीघ्र सुधारा जाए : गादिया

रतलाम। रविवार को हुई बारिश के दौरान शहर के बिगड़े हालात को देखकर समाजसेवी और रेडक्रास सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र गादिया ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने की मांग की है।

गादिया ने कहा कि रतलाम शहर में रोड के काम चल रहे ,लेकिन रोड के साथ ड्रैनेज सिस्टम पर ध्यान देना आवश्यक है। क्योंकि 6 इंच बारिश में जिस तरह शहर मे पानी जमा हुआ वह स्थिति भी भयावह थी। इसके पूर्व इससे भी अधिक पानी गिरने पर भी एसी स्थिति नही हुई। श्री गादिया ने कहा कि आज न रोडों के ढाल है न निकास। नाले के आसपास के जो खुले निकास थे ,वह भी बंद है। यह विकास की मूलभूत सुविधा भी है, आवश्यकता भी। शहर की नालियों को सफाई की आवश्यकतानुसार खोलकर सफाई करना आवश्यक है।आज सीवरेज सिस्टम के कारण पूरा शहर खुदा पडा है,नागरिकों का चलना दूभर है।

समाज सेवी रेडक्रॉस के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि पूर्व में चार पांच वर्षों पहले रतलाम विकास मंच के माध्यम से भी रोड के साथ ड्रेनेज व्यवस्था की बात रखी गई थी। प्रशासन इसे शीघ्र व्यवस्थित करा कर सुविधा प्रदान करे, ताकि जनता के जानमाल व आर्थिक नुकसान नहीं हो।

राज एक्सप्रेस २१/९/२१

कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, एसपी एवं आईजी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में बोले मुख्यमंत्री

भ्रष्टाचारियों को बख्शा नहीं जाएगा

भोपाल ● 20 सितम्बर (ब्यूरो)

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने आज कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉरलेंस हमारी नीति है। गड़बड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश को जनकल्याण और सुराज के मामले में एक मॉडल बनाकर खड़ा करना है।

श्री चौहान ने यहां प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, एसपी एवं आईजी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। उन्होंने इस दौरान कानून व्यवस्था और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जो बड़े कब्जेधारी हैं, जो ऑर्गनाइज तरीके से कब्जे कर रहे हैं, उन पर कार्रवाई और एफआईआर करनी है। उन्होंने कहा कि जमीनों को मुक्त करके भूलना नहीं है, बल्कि शहरी आबादी वाली मुक्त जमीनों पर प्रधानमंत्री आवास गरीबों के लिए बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि माफियाओं को किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं है।

हमें डेंगू पर भी नियंत्रण पाना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें डेंगू पर भी नियंत्रण पाना है। सभी सावधानियों का पालन करें। पानी को कहीं रुकने न दें और स्वच्छता रखें, ऐसी जागरुकता हमें फैलानी है। शहडोल जिले में कुल 52 प्रकरणों में अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई

करते हुए 45.27 करोड़ रुपए की शासकीय जमीन मुक्त कराई गई। सतना जिले में चिन्हित भू-माफिया/गुंडा यज्ञदत्त शर्मा के विरुद्ध गत चार जून को जिलाबदर का आदेश पारित किया गया है।

भू-माफिया के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भू-माफिया के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। उज्जैन जिले में हरी फाटक ब्रिज के समीप 2 हेक्टेयर शासकीय जमीन पर बनी 213 दुकानें जमींदोज कर 107 करोड़ रुपए की शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। उन्होंने अधिकारियों को कानून व्यवस्था के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि आगामी उपचुनावों और त्योहारों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रहे।

सूदखोरों का ऊंचे दर्जे पर ब्याज वसूलना गलत

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूदखोरों का ऊंचे दर्जे पर ब्याज वसूलना गलत है, ऐसे लोग जो समाज के दुश्मन हैं, सरकार की जमीनों पर कब्जा करते हैं, उन्हें छोड़ना नहीं है। उन्होंने कहा कि यज्ञदत्त शर्मा द्वारा चित्रकूट में कामतानाथ मंदिर के पास 8 करोड़ रुपए कीमत की 3.44 हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। देवास जिले में भू-माफिया शिवा चौधरी के अवैध कब्जे से 7 करोड़ रुपए कीमत के एक मकान और 2 बाड़े को मुक्त कराया गया है।

स्वदेश

स्वदेश २१/९/२१

पीएम आवास योजना में पैसे लेने वालों को नहीं छोड़ूंगा -शिवराज

भास्कर

भास्कर न्यूज . भोपाल | कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में सोमवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक्शन मूड में दिखे। सीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना में आवासों के आवंटन में आ रही गड़बड़ी की शिकायतों पर कहा कि पीएम आवास योजना में जिन अफसरों ने हितग्राहियों से पैसे लिए हैं, उन्हें छोड़ूंगा नहीं। सीएम ने कहा कि निर्माण कार्यों की लागत भी ज्यादा आए और काम भी सही नहीं हो ऐसा नहीं चलेगा। स्मार्ट सिटी में 12 करोड़ रुपए की सड़क 45 करोड़ रुपए में बनी, वह भी घटिया। निर्माण कार्यों में इस तरह की कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पन्ना कलेक्टर संजय मिश्रा एक जिला एक उत्पाद की जानकारी नहीं पाए, वे सभी फसलों की जानकारी देने लगे। इस पर सीएम ने कहा कि ऐसे नहीं चलेगा एक जिले का एक उत्पाद होता है आपको उसकी जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री ने अफसरों से साफतौर पर कहा कि कोरोना नियंत्रित होने के बाद अब विकास, जनकल्याण और समय-सीमा में निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए हमें एक बार फिर फुल फार्म में आना है।

दै. भास्कर २१/९/२१

धार, रतलाम, उज्जैन समेत 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसमें अनूपपुर, उमरिया, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बैतूल, आलीराजपुर, धार, इंदौर, रतलाम व उज्जैन जिले शामिल हैं। इसके लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, मौसम विभाग का मानना है कि सागर, रीवा, जबलपुर, शहडोल, इंदौर व उज्जैन संभाग के जिलों में अनेक स्थानों पर व ग्वालियर, चंबल, भोपाल व होशंगाबाद संभाग के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इधर, सुबह साढे आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक मंडला में 56, पंचमढ़ी में 33, इंदौर 10.2, जबलपुर में 7.6, उज्जैन में 4, छिंदवाड़ा में दो, शाजापुर में दो, बैतूल में एक, उमरिया में चार, मलाजखंड में 80 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

नईदुनिया 21/9/21

अधिनियम में संशोधन

समय पर संपत्तिकर नहीं दिया तो भरना होगा दोगुना

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश के ऐसे मकान मालिक जो खुद के मकान में रहते हैं, नगर पालिक निगम अधिनियम के प्रविधानों के अनुसार उन्हें अभी तक संपत्तिकर में 50 फीसद छूट मिलती थी। नगरीय प्रशासन विभाग ने इस वित्तीय वर्ष से इसमें संशोधन कर दिया है। भवन स्वामी यदि 31 मार्च तक अपना पूरा संपत्ति कर जमा करेगा, तभी उसे यह छूट मिलेगी। एक अप्रैल से उससे दोगुना संपत्तिकर वसूला जाएगा, यानी छूट का लाभ नहीं मिलेगा।

संशोधित प्रविधानों के मुताबिक अब स्वयं के मकान में रहने वालों को हर वित्तीय वर्ष में संपत्तिकर देना होगा अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने वाले मकान मालिकों को छूट का लाभ नहीं दिया जाएगा। एक अप्रैल से उन पर पूरा कर यानी संपत्तिकर की गणना का 100 फीसद अधिरोपित कर दिया जाएगा।

नईदुनिया

जानलेवा बन रहा डेंगू • अब तक 3 बच्चों की मौत के मामले सामने आ चुके, जिले में 6 नए पॉजिटिव मिले, अब तक कुल 326 डेंगू पॉजिटिव

अब तक 110 बच्चों पर डेंगू अटैक : मौत की रिस्क भी बच्चों में ज्यादा, इधर... अब मलेरिया अधिकारी को ही हो गया डेंगू

भास्कर संवाददाता | रतलाम

यदि आपके घर में छोटे बच्चे हैं तो यह खबर आपको जरूर पूरी पढ़ना चाहिए। जी हां, हमारे शहर में डेंगू बच्चों पर भी खूब अटैक कर रहा है। अब तक 110 से ज्यादा बच्चे डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। दु:ख इस बात का है कि डेंगू से मौत के 4 मामले सामने आए हैं, इनमें से 3 की उम्र 15 साल से कम ही है।

आलम ऐसा है कि ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स लेने के लिए मरीजों की कतार है तो वहीं अस्पतालों में बेड फुल हो रहे हैं। चिंता करने की बात तो ये है कि बड़ों के साथ ही छोटे बच्चों पर भी डेंगू का अटैक हो रहा है। बच्चों का 65 बेड का नया अस्पताल तैयार हुआ है, जो पूरी तरह फुल हो गया है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में भी भर्ती हैं। अधिकारियों की मानें तो बच्चों में सर्दी-खांसी और बुखार सामान्य होता है, इसके चलते कई परिजन बच्चों के स्वतः ही स्वस्थ होने या घर पर ही इलाज देकर ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं जो गलत है। अभी के हालात में बुखार होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यदि प्लेटलेट्स कम हो तो डेंगू की आशंका है, ऐसे में तत्काल ट्रीटमेंट शुरू हो सकता है।

6 निकले पॉजिटिव : इधर एलाइजा से डेंगू पॉजिटिव आने वालों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। सोमवार को 32 लोगों की एलाइजा पद्धति से जांच की गई, इसमें से 6 की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। इसी के साथ अब तक 326 लोग डेंगू पॉजिटिव आ चुके हैं। यह हमारे शहर में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

मौत के ये मामले आए

पहला 15 सितंबर को सेमलिया में 12 साल के हरिओम पिता विशाल सोलंकी की मौत हो गई। पहले जिला अस्पताल, फिर निजी अस्पताल और तबीयत बिगड़ने पर परिजन उज्जैन के अस्पताल ले गए।

दूसरा नामली की 14 साल की काजल सोलंकी ने दम तोड़ा। काजल को 6 सितंबर को बुखार आया था। 10 सितंबर की रात से तबीयत बिगड़ी, भर्ती किया लेकिन 18 सितंबर को दम तोड़ दिया।

तीसरा रावटी में नमन पिता नवीन ग्वालियरी की मौत हो गई। नमन की उम्र 15 साल थी। 11 सितंबर को दाहोद भर्ती किया, यहां से 16 सितंबर को वडोदरा ले गए। लेकिन नहीं बचा सके।

बाल चिकित्सालय में हर बेड पर बच्चों का इलाज हो रहा है।

मलेरिया अधिकारी को बुखार आया, चकत्ते दिखे, जांच में निकले पॉजिटिव

मलेरिया अधिकारी भर्ती।

मलेरिया अधिकारी डॉ. प्रमोद प्रजापति को तेज बुखार आने, शरीर पर चकत्ते दिखने पर उन्होंने एलाइजा टेस्ट करवाया जिसमें वे पॉजिटिव निकले। मलेरिया अधिकारी डेंगू और मलेरिया की रोकथाम में जुटे हुए थे। उन्होंने बताया डेंगू के पॉजिटिव केस आने पर क्षेत्र में पूछताछ के लिए जाते थे, इसी दौरान डेंगू होने की शंका है। हालांकि सावधान रहने की जरूरत है।

डॉक्टर बोले - सर्दी-खांसी और बुखार के ज्यादा मामले आ रहे

- हमारे पास सर्दी-खांसी और बुखार के मामले ज्यादा आ रहे हैं, इससे सचेत रहने की जरूरत है।
- बच्चों को बाहर की चीजें खाने से बचाएं।
- सर्दी-खांसी, बुखार हो तो उसे नजरअंदाज ना करें। किसी भी डॉक्टर के पास लेकर जाए।
- बुखार के साथ ही उल्टी, बदबू, पेट दर्द हो तो भी नजरअंदाज ना करें।
- मच्छरों से बचाव का पूरा प्रबंध रखें।
- बच्चों को फुल आस्तीन के कपड़े पहनाकर रखें तो ज्यादा बेहतर है।
- यदि डेंगू की पुष्टि होती है तो पूरा इलाज लें।

(जैसा मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र नारगावे ने दैनिक भास्कर को बताया।)

दै. भास्कर 21/9/21

सालभर की बारिश का औसत पूरा...

भास्कर संवाददाता | रतलाम

एक दिन की बारिश ने हमारे जिले का बारिश का सालभर का कोटा पूरा कर दिया है। जिले में अब तक 931.7 मिमी बारिश हो गई है, जबकि सालभर की जिले की सामान्य बारिश 918.3 मिमी ही है। इधर, अचानक तेज बारिश नुकसान भी लेकर आई है। 182 घरों में पानी घुसा है, 100 घरों में सामान-अनाज आदि का नुकसान हुआ है। 13 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बारिश का पानी उतरने के बाद सोमवार को अलग-अलग क्षेत्र में एसडीएम अभिषेक गेहलोत, तहसीलदार गोपाल सोनी के साथ प्रशासन की टीमें नुकसानी का आकलन करने पहुंचीं। इस दौरान करीब 195 घरों का सर्वे किया गया है। इसमें 4 मकान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त मिले हैं वहीं 9 मकानों के निर्माण में आंशिक नुकसान हुआ है। यहीं 182 घरों में पानी घुसा है, इससे अनाज सहित अन्य सामान भीग गए। इधर, प्रशासन ने रात तक 100 लोगों की सूची तैयार की है जिन्हें मंगलवार को मुआवजा देने की तैयारी है।

सर्वे टीम को 13 मकान क्षतिग्रस्त मिले, बारिश का एक दौर

झाली तालाब लबालब, अब तक 931.7 मिमी बारिश

सितंबर में जोरदार बारिश से झाली तालाब लबालब हो गया है। अब तक 931.7 मिमी बारिश हो चुकी है। जिले की सालभर की सामान्य बारिश का क पिपलौदा, बाजना सामान्य बारिश से पीछे हैं। यहां पिछले साल से कम बारिश दर्ज की गई है, पिछले साल अब तक 1017 मिमी बारिश हो गई थी। फो

जिले में अब तक कहां कितनी बारिश

शहर 42.28	बाजना 28.26
आलोट 33.22	रावटी 35.31
जावरा 43.50	सैलाना 40.66
ताल 38.97	जिला 36.68
पिपलौदा 31.22	

(नोट - जिले के सभी ब्लॉक और कुल सामान्य बारिश 36.15 इंच है।)

ढाई घंटे की बारिश से 40 मिनट से ज्यादा समय तक बिरमावल को जोड़ने वाले तीनों मार्ग रहे बंद

बिरमावल | सोमवार दोपहर 2.30 से 5 बजे के बीच क्षेत्र में जोरदार बारिश हुई। तेज बारिश के बाद पानी का जो बहाव आया उसे बिरमावल को जोड़ने वाले तीनों मार्ग पर पानी आने के कारण लगभग 40 मिनट तक आवागमन बंद रहा। क्षेत्र के सातरुंडा-मुंदड़ी मार्ग (बिरमावल रपट), उमरन की पुलिया, जावड़ा-बिरमावल मार्ग और भीमपुरा-बिरमावल मार्ग पर पानी ज्यादा होने के कारण यह मार्ग बंद रहे। साथ ही उमरन की पुलिया पर पानी आने के कारण आवागमन बाधित रहा। बिरमावल रपट पर तेज बहाव पानी बहते समय एक युवक ने बाइक लेकर निकलने का प्रयास किया लेकिन वह बहाव के साथ बहने लगा तभी वहां मौजूद ग्रामीणों ने उसे बचा लिया।

दै. भास्कर 21/9/21

ईश्वरनगर में कहर बना बारिश का पानी, लोगों का गुस्सा फू

रतलाम. शहर में बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान ईश्वर नगर क्षेत्र में हुआ है। यहां पर सीवरेज को लेकर भी लोगों का गुस्सा फूट रहा है। लोगों की माने तो उनके क्षेत्र की नालियों को बंद करके सीवरेज लाइन से जोड़ दिया गया है, ऐसे में बारिश का पानी सीवर लाइन के माध्यम से उनके घरों में आ गया। इतना ही नहीं सीवरेज कार्य के दौरान सड़कों की खुदाई करने के बाद उनके घटिया निर्माण की भी पोल खेल गई है। तेज बारिश में सड़क निर्माण के नाम पर किया गया घटिया कार्य बह गया और अब सड़क के नाम पर गिट्टी ही बिछी नजर आ रही है।

ईश्वर नगर निवासी नर्मदाबाई की माने तो अब से पहले कभी उनके घरों में पानी नही भराया लेकिन सीवर लाइन का काम होने से नालियां बंद कर दी गई। जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते बारिश का पानी घर में आने से अनाज और तेल के डिब्बे में पानी वह भी खराब हो गया। यह किसी एक के यहां की न हो लोगों के यहां की है। शैलेंद्र माने तो कल जब बारिश घरों में आया तब कई बार को फोन पर सूचना दी लेकि नहीं आया। सीवरेज के व्यवस्था बिगड़ी है, यह बिल सक्सेस नहीं है।

पत्रिका

पत्रिका 21/9/21

भारी बारिश से हुए नुकसान के सर्वे में जुटा प्रशासन

रतलाम। रतलाम शहर में सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश से कई मकानों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है। रतलाम कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने सोमवार सुबह से ही क्षतिग्रस्त हुए मकानों का सर्वे करने के आदेश जारी किए हैं।

क्षतिग्रस्त हुए मकानों का सर्वे शाम तक पूर्ण कर लिया जाएगा और 24 घंटे में संपत्ति के नुकसान की राहत राशि पीड़ित परिवार के बैंक खाते में जमा करवाई जाएगी। बता दें कि रतलाम शहर में रविवार सुबह से दोपहर तक करीब 6 इंच बारिश दर्द की गई थी, जिससे पूरा शहर जलमग्न हो गया था। शहर के कई इलाकों में जलभराव होने से मकान गिरने की घटनाएं भी हुई है। दरअसल रतलाम शहर में आसमान से बरसी आफत के बाद प्रशासन की टीम के साथ कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम और एसपी गौरव तिवारी प्रभावित इलाकों के निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। जहां प्रभावित इलाकों में जल निकासी और पीड़ित लोगों के लिए तत्काल राहत कार्य चलाए जाने के निर्देश अधिकारियों ने दिए थे। प्रारंभिक आकलन में रतलाम शहर में करीब 20 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिसके सर्वे के लिए रतलाम कलेक्टर ने सर्वे के निर्देश दिए हैं। भारी बारिश से हुए नुकसान के आकलन के लिए 5 दलों का गठन किया गया है सर्वेक्षण दलों को तेजी से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है ताकि सोमवार शाम तक सर्वेक्षण पूर्ण किया जाकर मंगलवार को राशि संबंधित व्यक्तियों के खातों में पहुंचाई सकेगी।

नवभारत 21/9/21

कोरोना के नियम का करना होगा पालन

राहत: 18 माह बाद आज से होगी आम जन की सुनवाई, तैयारी जारी

पत्रिका सोशल प्राइड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शासन के आदेश के बाद 18 माह बाद फिर से आज से जनसुनवाई शुरू होगी। इसके आदेश जिला प्रशासन के पास पहुंच गए है। इस बार जो जनसुनवाई होगी उसमे कोरोना के नियम का पालन सख्ती से करवाया जाएगा।

कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त सहित शासन से जुड़े सभी विभाग प्रमुखों को जनसुनवाई कार्यक्रम करने के लिए आदेश जून 2009 में जारी किए गए थे। इसके बाद से जनसुनवाई कोरोना काल के अलावा कभी बंद नहीं हुई। अब इसको फिर से शुरू किया जा रहा है।

असल में मार्च 2020 में कोरोना के बाद जनसुनवाई को बंद कर दिया गया था। रतलाम में 2020 अप्रेल माह में पहला मरीज कोरोना का सामने आया था। इसके बाद लॉकडाउन लगा दिया गया था। तब से अब तक जनसुनवाई बंद ही है। हालाकि कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने प्रति शनिवार शाम 4 बजे नगर निगम से जुड़ी समस्याओं की सुनवाई करने की शुरुआत की है। इसमे बड़ी संख्या में शहर के लोग कई प्रकार की समस्याएं लेकर आते है। निगम में पूर्व में जो जनसुनवाई होती थी, उसमे अधिकांश को द्वितीय श्रेणी के अधिकारी सुनते थे व वरिष्ठ अधिकारी नदारत रहते थे।

नियम का पालन करके आए

मंगलवार से जनसुनवाई शुरू होगी। इसमे यह जरूरी है कि जो भी व्यक्ति आए वो कोरोना के नियम का पालन करके आए।

- **सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम

पत्रिका 21/9/21

काम बेहतर तरीके से करने के दिए निर्देश

विभागों की लचर कार्यप्रणाली पर कलेक्टर नाराज, सुधार के निर्देश

रतलाम. कलेक्टर द्वारा सोमवार की शाम कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में सभी अधिकारियों की विभागीय समीक्षा बैठक बुलाई गई। इसमें कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा कई विभागों की ढीली-ढाली कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी व्यक्त की गई और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए सख्ती से निर्देशित किया गया। इनमें कृषि विभाग के उपसंचालक के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त सहकारिता, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, शिक्षा, ट्राईबल, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पीआईयू, जनपद पंचायत बाजना, सैलाना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर निगम रतलाम, डीपीसी को भी कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए निर्देशित किया गया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारी सक्रियता के साथ कार्य करें। जिले में लहसुन तथा रतलामी नमकीन को एक जिला एक उत्पाद योजना में सम्मिलित किया गया है। आगामी 1 नवंबर को लहसुन तथा रतलामी नमकीन की 5-5 नवीन औद्योगिक इकाइयां आरंभ कर दी जाएगी। इसके लिए अभी से संबंधित उद्यानिकी तथा जिला उद्योग विभाग कार्यालय काम शुरू कर दें।

खेत में मनरेगा से काम

कलेक्टर ने सीईओ जिला पंचायत को निर्देश दिए कि सैलाना तथा बाजना के प्रत्येक आदिवासी परिवारों के खेतों में मनरेगा योजना से कम से कम एक कार्य किया जाए जिससे उनका आर्थिक उत्थान हो, जीवन स्तर ऊंचा उठे। इसके लिए अति शीघ्र कार्य योजना प्रस्तुत की जाए। मनरेगा में कोई भ्रष्टाचार नहीं हो, मशीन से कार्य तथा मानव श्रम शासन द्वारा निर्धारित अनुपात में आयोजित हो। कलेक्टर द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में जल जीवन मिशन के विभिन्न कार्यों में खराब गुणवत्ता पर नाराजगी जताई।

पत्रिका 21/9/21

आज एक दर्जन रजिस्ट्री होगी, विधायक ने की मुलाकात

शिवशंकर कॉलोनी में रहने वाले 100 आवास धारियों की रजिस्ट्री इसी माह

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. पिछले सप्ताह रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग का दल शिवशंकर कॉलोनी में रहने वाले रहवासियों के आवास तोड़ने गया था। इसकी वजह इन आवास को रेलवे भूमि पर अवैध कब्जा बताया था। इसके बाद शहर विधायक चेतन्य काश्यप ने यहां रहने वाले परिवार के सदस्यों से मुलाकात की व 100 पीएम आवास के लिए रजिस्ट्री कार्य इसी माह हो इसके निर्देश अधिकारियों को दिए। इनमे से एक दर्जन पीएम आवास का पंजीयन मंगलवार को होगा।

सोमवार दोपहर करीब 2 बजे बाद शिवशंकर कॉलोनी के एक दर्जन से अधिक निवासी विधायक काश्यप के स्टेशन रोड स्थित कार्यालय पहुंचे। यहां पर विधायक से चर्चा करते हुए रहवासियों ने बताया कि रेलवे उनके आवास तोड़ने आ गया था। चेतन्य काश्यप फाउंडेशन से उनको प्रधानमंत्री आवास में आर्थिक मदद के लिए राशि मिली है, लेकिन कुछ के बैंक लोन नहीं हुए है जबकि जिनके हो गए उनका आवास का पंजीयन में नगर निगम से मदद नहीं मिल पा रही है। इसके बाद शहर विधायक काश्यप ने नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया से फोन पर चर्चा की व मंजूर हो गए आवास के लिए पंजीयन कार्य करवाने की शुरुआत करने को कहा। इसके बाद निर्णय लिया गया कि मंगलवार को एक दर्जन पीएम आवास का पंजीय करवाया जाएगा। शेष के लि पंजीयन की प्रक्रिया को इसी माह पू किया जाएगा। इस दौरान रविवार शहर में हुई भारी बारिश के चल सड़क जर्जर होने के बाद एक सप्त में सर्वे करने व उसकी रिपोर्ट बन को भी कहा गया है।

सभी को मिलेंगे आवास

प्रधानमंत्री आवास योजना शिवशंकर कॉलोनी में रहने वाले करीब 100 हितग्राहियों के आवास मंजूर हुए है। सभी को इ माह आवास मिल जाए इसके लि कार्य शुरू हो गया है।

- चेतन्य काश्यप, शहर विधाय

पत्रिका 21/9/21

नवंबर से जिले में लहसुन तथा नमकीन की 7 नवीन इकाइयां प्रारंभ होगी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में नमकीन एवं लहसुन के ब्रांडिंग की समीक्षा हुई

रतलाम ● स्वदेश समाचार

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कमिश्नर,आईजी, कलेक्टर, एसपी से प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। रतलाम में एनआईसी कक्ष में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, डीआईजी सुशांत सक्सेना, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी से चर्चा की। इस दौरान अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम के अंतर्गत रतलामी नमकीन एवं लहसुन के उद्योग, प्रसंस्करण तथा ब्रांडिंग की समीक्षा की। कलेक्टर ने बताया कि 1 नवंबर से जिलें में लहसुन तथा नमकीन संबंधित लगभग 7 नवीन इकाइयां प्रारंभ कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की भी समीक्षा की

एक जानकारी के अनुसार मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागों के कमिश्नर, आईजी एवं जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर राज्य शासन द्वारा प्रारंभ किए गए विभिन्न अभियानों और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। खराब परफॉरमेंस वाले अधिकारियों को फटकार मिली और जहां से अच्छे नतीजे आए उनकी सराहना की गई। खराब परफॉर्मेंस वाले पुलिस अधीक्षकों पर भी मुख्यमंत्री का गुस्सा फूटा। गुंडों और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करने पर फटकार भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े मामलों की मॉनिटरिंग कलेक्टर खुद करे। 'सुराज' का मतलब है कार्य गुणवत्तापूर्ण हों। जहां तक करप्शन की बात है, हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। भ्रष्टाचार करने वालों को हम किसी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे।

स्वदेश 21/9/21

बारिश से बर्बादी के निशान : घर क
अनाज-सामान सब बहा ले गया पानी

जलभराव से कई घरों में चूल्हे भी नहीं जले, अभी तक नहीं पहुंची कोई राह

प्रसारण न्यूज ◆ रतलाम

रविवार को हुई मूसलाधार बारिश का पानी तो उतर गया है, लेकिन आफत की बारिश अपने निशान पीछे छोड़ गई है। शहर में करीब 20 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हो गए। सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना ईश्वर नगर क्षेत्र के लोगों को करना पड़ा। यहां मकान गिरने की वजह से घर का सामान पानी में बह गया। कई घरों में पानी घुसने से रविवार को चूल्हे तक नहीं चले। निचले इलाकों में पानी उतरने के बाद क्षेत्र के लोग जैसे तैसे अपना बचा हुआ सामान बटोरने में लगे हुए हैं।

रतलाम शहर रविवार को कुछ ही घंटे में 6 इंच से ज्यादा बारिश से जलमग्न हो गया था। शास्त्री नगर, मोमिनपुरा, ईश्वर नगर, पी एन टी कॉलोनी, चौमुखी पुल और सैलाना यार्ड क्षेत्र में घरों में पानी घुस गया था।

ईश्वर नगर क्षेत्र में रहने वाली नर्मदा बाई का घर भारी बारिश में गिर गया। घर का सामान मलबे में दब गया और कुछ सामान पानी के तेज बहाव में बह गया। नर्मदा बाई अपने बेटे अजय के साथ अब घर के मलबे में अपनी जरूरतों का सामान ढूंढ रही हैं। पास में ही रहने वाली सुनीता बाई के भी घर में रविवार शाम तक पानी भरा रहा। इसकी वजह से घर का अनाज कपड़े और बिस्तर गीले हो गए। सुनीता बाई ने बताया कि अब तक प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार उनकी मदद के लिए नहीं पहुंचा है।

पेंटिंग का कार्य करने वाला पुखराज अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ ईश्वर नगर में ही रहते हैं। इनके घर के पीछे की दीवार गिर जाने से बारिश का पानी घर में घुस गया। पुखराज ने बताया कि कल दिनभर घर में चूल्हा नहीं जला है। रतलाम शहर में प्रशासन ने बारिश से हुए नुकसान का सर्वे आज सुबह से ही शुरू किया है। लोगों के क्षतिग्रस्त हुए मकानों के लिए राहत राशि भी 24 घंटे में जारी करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। मूसलाधार बारिश से बने बाढ़ जैसे हालातों से जूझने के बाद भी इन परिवारों को अब तक कोई राहत नहीं मिल सकी है।

भारी बारिश से जिले का औसत बारिश का आंक
हुआ पार, जिले में अब तक 37 इंच बारिश

शनिवार रात से ही रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। रविवार सुबह हुई भारी बारिश से जिले की बारिश का आंकड़ा औसत बारिश से एक इंच ज्यादा हो गया है। रतलाम जिले में अब तक 37 इंच बारिश दर्ज की गई है। अकेले रतलाम शहर में करीब 6 इंच बारिश दर्ज की गई है। सितंबर के महीने में फिर से सक्रिय हुए मानसून ने जिले की बारिश का आंकड़ा औसत से अधिक कर दिया है। गौरतलब है की रतलाम में रविवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश से सड़कें लबालब हो गई थी और शहर के शास्त्री नगर, मोमिनपुरा, पीएनटी कॉलोनी, सैलाना बस स्टैंड क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन गई थी।

जिले में औसत बारिश का कोटा पूरा

रतलाम जिले के जावरा क्षेत्र में मानसून की शुरुआत के साथ रिकॉर्ड तोड़ बारिश दर्ज की गई है। जावरा ब्लॉक में जिले की कुल वर्षा से भी 8 इंच अधिक 43 इंच बारिश अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले के बाजना ब्लॉक में सबसे कम 28 इंच बारि रिकॉर्ड हुई है। जिले के आलोट में 33 इंच, पिपलोदा में 31 इंच, ताल में 39 इंच, सैलाना में 40 इंच और रतलाम में 42 इंच कुल वर्षा अब तक सितंबर के अब तक दर्ज की गई है।

रतलाम सहित मालवा के जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

सितम्बर के महीने एक के बाद एक सिस्टम एक्टिव हो रहे हैं जिससे प्रदेश में 30 सितंबर तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। मध्य प्रदेश प्रदेश के गजगढ़, झाबुआ, रतलाम, उज्जैन शाजापुर, आगर एवं मंदसौर जिलों में भारी वर्षा की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है।

प्रसारण 21/9/21

प्रसारण 21/9/21

सोमवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय से वर्चुअल कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय से वर्चुअल कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा

भ्रष्टाचारियों को बख्शा नहीं जाएगा

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस हमारी नीति है। गड़बड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश को जनकल्याण और सुराज के मामले में एक मॉडल बनाकर खड़ा करना है।

श्री चौहान ने सोमवार को यहां प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, एसपी एवं आईजी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। उन्होंने इस दौरान कानून व्यवस्था और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जो बड़े कब्जेधारी हैं, जो ऑर्गनाइज तरीके से कब्जे कर रहे हैं, उन पर कार्रवाई और एफआईआर करनी है। उन्होंने कहा कि जमीनों को मुक्त करके भूलना नहीं है, बल्कि शहरी आबादी वाली मुक्त जमीनों पर प्रधानमंत्री आवास गरीबों के लिए बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि माफियाओं को किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूदखोरों का ऊंचे दर्जे पर ब्याज वसूलना गलत है, ऐसे लोग जो समाज के दुश्मन है, सरकार की जमीनों पर कब्जा करते हैं, उन्हें छोड़ना नहीं है।

सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ दर्ज करवाएं एफआईआर

उन्होंने कहा कि यज्ञदत्त शर्मा द्वारा चित्रकूट में कामतानाथ मंदिर के पास 8 करोड़ रुपए कीमत की 3.44 हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। देवास जिले में भूमाफिया शिवा चौधरी के अवैध कब्जे से 7 करोड़ रुपए कीमत के एक मकान और 2 बाड़े को मुक्त कराया गया है। श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय भाई-बहनों के लिए राशन आपके द्वार, पेसा कानून के अंतर्गत वनों का प्रबंधन और अनेक हितकारी योजनाएं हैं, इनका क्रियान्वयन ठीक से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब का हक नहीं मारा जाना

जागरूकता से डेंगू पर नियंत्रण करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें डेंगू पर भी नियंत्रण पाना है। सभी सावधानियों का पालन करें। पानी को कहीं रुकने न दें और स्वच्छता रखें, ऐसी जागरुकता हमें फैलानी है। शहडोल जिले में कुल 52 प्रकरणों में अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 45.27 करोड़ रुपए की शासकीय जमीन मुक्त कराई गई। सतना जिले में चिन्हित भू-माफिया/गुण्डा यज्ञदत्त शर्मा के विरुद्ध गत चार जून को जिला बदर का आदेश पारित किया गया है।

27 सितंबर तक वैक्सीनेशन के पहले डोज का लक्ष्य पूर्ण करें

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 27 सितंबर को पहले डोज का 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन का लक्ष्य हमें पूर्ण करना है। दिसंबर माह तक हमें दोनों डोज का 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन पूर्ण करना है। जो बच गए हो, उनकी सूची बना ले और उनको टीका लगवाएं।

त्योहारों पर कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भू-माफिया के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। उज्जैन जिले में हरी फाटक ब्रिज के समीप 2 हेक्टेयर शासकीय जमीन पर बनी 213 दुकाने जमीदोज कर 107 करोड़ रुपए की शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। उन्होंने अधिकारियों को कानून व्यवस्था के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि आगामी उपचुनावों और त्योहारों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रहे। कोविड 19 गाइडलाईंस का पालन कराया जाए। मुख्यमंत्री ने महिला अपराधों को रोकने के लिए और संवेदनशील होने के निर्देश दिए।

कान्फ्रेंस लंबी चलने के कारण कैबिनेट की प्रस्तावित बैठक स्थगित

कानून व्यवस्था और अन्य महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा के लिए आयोजित कलेक्टर कमिशनर कान्फ्रेंस के निर्धारित से ज्यादा समय तक चलने के कारण सोमवार शाम यहां प्रस्तावित राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक स्थगित कर दी गई। मंत्रिपरिषद की बैठक अब मंगलवार को होगी। पहले यह बैठक सोमवार की शाम को प्रस्तावित थी। इसके पहले कलेक्टर कमिशनर कांफ्रेंस मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिन में प्रारंभ हुई, जो देर शाम तक चली।

डेंगू के छह नए मरीज मिले, अब तक पांच मौत, फागिंग भी बेअसर

नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में डेंगू की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है और शहर से गांव तक मामले निकल रहे हैं। सोमवार को भी एलाइजा जांच रिपोर्ट में छह नए मरीजों की पुष्टि की गई। एंटीजन किट जांच में डेंगू पाजिटिव होने पर अब तक जिले के पांच लोगों की मौतें हो चुकी हैं, जिनमें दो बालक और एक बालिका है। बालक-बालिका की तो एक दिन पहले ही उपचार के दौरान मौत हो गई। इनमें 15 साल का बालक रावटी का और 14 साल की बालिका वार्ड नंबर 14 नामली की है। बालक की मौत बड़ोदरा के निजी अस्पताल में हुई जबकि बालिका ने मेडिकल कालेज में दम तोड़ा।

बालिका की मौत के बाद नामली के वार्ड 14 में मलेरिया विभाग की टीम सोमवार को घर-घर सर्वे करने पहुंच गई। इस दौरान 55 घरों के सर्वे में 23 में लार्वा मिला,जिसे नष्ट कराया गया है। पांच सामान्य बुखार के मरीज मिले और एंटीजन जांच में पाजिटिव डेंगू का एक मरीज भी मिला है। दो ऐसे बुखार के मरीज मिले हैं, जिनका उपचार बाहर चल रहा है। यहां फागिंग भी कराई गई है।

जिला अस्पताल, मेडिकल कालेज में भी आ रहे मरीज : सोमवार को जिला अस्पताल से एलाइजा जांच की 32 रिपोर्ट में छह नए मरीज मिले, सभी शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के हैं। निजी अस्पतालों का आंकड़ा भी सोमवार को 20 से अधिक था। इसके अलावा मेडिकल कालेज में भी दस नए मरीज पहुंचे हैं, जिनमें एंटीजन किट जांच में डेंगू की पुष्टि हुई है। जिले में एलाइजा जांच से 326 डेंगू के मरीजों की पुष्टि हो चुकी है और किट जांच का आंकड़ा भी 600 तक पहुंच गया है। सरकारी अस्पताल के साथ निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या कम नहीं हो रही है। बीमारों के प्लेटलेट्स तेजी से कम हो रहे हैं। सामाजिक संस्था मानव सेवा समिति के ब्लड बैंक से प्लेटलेट्स के लिए लंबी कतार लग रही है। सोमवार को भी शाम तक 50 लोगों ने प्लेटलेट्स प्राप्त कर लिया था।

मलेरिया अधिकारी को भी डेंगू : जिला मलेरिया अधिकारी डा. प्रमोद प्रजापति को डेंगू हो गया है। उनकी एंटीजन किट जांच की रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन एलाइजा जांच रिपोर्ट में डेंगू पाजिटिव आया है और प्लेटलेट्स भी कम हो गए हैं। निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। डा. प्रजापति ने बताया कि सोमवार को जो नए छह डेंगू पाजिटिव मिले है, उनमें उनकी रिपोर्ट भी शामिल है। जिला अस्पताल में बेड खाली नहीं होने के कारण प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। जिला अस्पताल के डाक्टरों की निगरानी में उपचार चल रहा है।

नईदुनिया 21/9/21

कीटनाशक दवा का छिड़काव निरंतर जारी

रतलाम। शहर में नगर निगम द्वारा कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा हैं। कलेक्टर एंवं निगम प्रशासक के निर्देशानुसार शहर में बढ़ रहे डेंगू व मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण हेतु निर्देषानुसार प्रत्येक झोन में एक-एक डबल बैरल फॉगिंग मशीन से नगर निगम व मलेरिया विभाग द्वारा रूट चार्ट अनुसार सुबह 5.30 से 8 बजे तक व शाम को 6 से रात 10 बजे तक किया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक वार्ड में एक-एक हैण्ड स्प्रे मशीन से भी कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। नवभारत

नवभारत 21/9/21

गंदगी मिली तो जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

रतलाम। वार्डो की सड़क, गली, सार्वजनिक स्थल, नाले-नालियों आदि समुचित सफाई हेतु झोन प्रभारी, वार्ड दरोगा व वार्ड के सफाई संरक्षक पाबंद है। वार्डो में गंदगी, कचरे के ढेर, नाले-नालियों में कचरा पाये जाने पर संबंधितों को हटाने की कार्यवाही की जायेगी। वार्डो की समुचित साफ-सफाई का दायित्व झोन प्रभारी, वार्ड दरोगा व सफाई संरक्षकों का दायित्व है वे अपने कर्तव्य का निर्वहन पुरी निष्ठा एवं ईमानदारी करें यदि वार्डो में साफ-सफाई नहीं पाई जाती है तो संबंधितों को हटाने की कार्यवाही की जायेगी।

नवभारत 21/9/21

'द्वारका' आरपार की लड़ाई को तैयार

मनमर्जी का निर्माण

द्वारका रेसीडेंसी का गड़बड़झाला

मजदूर संघ के मंडल मंत्री पहुंचे सैलाना यार्ड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. द्वारका रेसीडेंसी का निर्माण करने वालों की वादा खिलाफी के मामले में अब सैलाना यार्ड के रहवासी आरपास की लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। यहां रहने वाले परिवार के सदस्यों ने सोमवार को वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ के मंडल मंत्री बीके गर्ग को बताया चक्काजाम आंदोलन किया जाएगा।

द्वारका रेसीडेंसी का निर्माण कार्य वर्ष 2019 में शुरू हुआ था। जब निर्माण कार्य की शुरुआत हुई तब सैलाना यार्ड के कर्मचारियों ने गहरी आपत्ती ली थी। इनका कहना था कि निर्माण के दौरान बड़े बड़े वाहन आ रहे हैं व इससे उनके आने जाने की सड़क खराब हो रही है। तब द्वारका रेसीडेंसी निर्माण करने वालों ने यह भरोसा दिया था कि रेल कर्मचारियों को किसी प्रकार की समस्या नहीं आने दी जाएगी। बदले में पक्की सड़क से लेकर नाली आदि बनाकर दी जाएगी। इसके अलावा बाउंड्रीवाल का भी सुंदर निर्माण होगा। सैलाना यार्ड के रेल कर्मचारियों का कहना है तब विरोध बंद कर दिया गया। इसके एवज में कुछ कोई वादा नहीं निभाया गया। हाल ही में यह जानकारी मिली की नजूल व नगर निगम कार्रवाई करेगा, लेकिन हुआ कुछ भी नहीं। इसलिए अब आंदोलन के अलावा और कोई रास्ता नहीं शेष है।

कलेक्टर को दिया आवेदन

इधर मिली जानकारी के अनुसार द्वारका रेसीडेंसी संचालकों ने नगर निगम व निजल विभाग द्वारा बन्द किए गए रास्ते के खिलाफ आवेदन दिया है। नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई के खिलाफ बिल्डर ने कलेक्टर के यहां आवेदन दिया है। बता दे सरकारी भूमि व निजी भूमि की सीमा ऐंगल लगाकर तय की गई है। इसके खिलाफ ही आवेदन दिया है।

पत्रिका २१/९/२१